



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 334]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 13, 1978/कार्तिक 22, 1900

No. 334]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 13, 1978/KARTIKA 22, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1978

सां०कां०नि० 552(अ) —केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 20 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम:—इन नियमों का संक्षिप्त नाम चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) नियम, 1978 है।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “अध्यादेश” से चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 अभिप्रेत है;

(ख) “धारा” से अध्यादेश की धारा अभिप्रेत है।

3. सूचना का प्रकाश और उसे तामील करने की रीति:—

(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा किसी चीनी उपक्रम के स्वामी या प्रबन्धक की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की जाने वाली सूचना इन नियमों से उपाबद्ध प्रारूप में होगी।

(2) सूचना को दो प्रतियां, ऐसे स्वामी या प्रबन्धक को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा अथवा उसे स्वयं अथवा चीनी उपक्रम के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय या कारबार के प्रधान स्थान पर सूचना को छोड़कर, परितस्त कराई जायेगी।

(3) ऐसा स्वामी या प्रबन्धक, धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन उसे जारी की गई सूचना में विनिर्दिष्ट समय के भीतर, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या स्वयं भेजेगा और इसके अतिरिक्त उसी समय ऐसी रिपोर्ट की एक प्रति रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा उस राज्य के गन्ना आयुक्त को भेजेगा जिस राज्य में चीनी उपक्रम स्थित है अथवा, यदि ऐसा कोई गन्ना आयुक्त नहीं है तो उस राज्य के चीनी निदेशक को भेजेगा और एक अन्य प्रति उसी राज्य की सरकार की ऐसे सचिव को रजिस्ट्री डाक से भेजेगा जो प्रशासनिक रूप से ईष से संबंधित है।

प्रारूप

(नियम 3 देखिए)

चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन सूचना।

सं०

भारत सरकार

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, तारीख,

केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि . . . . .  
(चीनी उपक्रम का नाम)

चीनी वर्ष . . . . ., को  
(उक्त चीनी वर्ष के संबंध में नियत दिन)

या उससे पूर्व चीनी का विनिर्माण प्रारम्भ करने में असफल रहा है।

जिन चीनी-वर्ष ..... के दौरान ..... को या उसके पूर्व चीनी का विनिर्माण प्रारम्भ करके उस उपक्रम प्रभावि ..... के संबंध में चीनी के विनिर्माण की औसत अवधि के प्रवसान के पूर्व चीनी का विनिर्माण बंद कर दिया है

† की ..... तारीख को, उक्त उपक्रम के प्रयोजनों के लिए उक्त तारीख के पूर्व क्रय किए गए गन्ने की देय रकम की बकाया, ठीक पूर्ववर्ती चीनी-वर्ष के दौरान या उसके द्वारा क्रय किए गए गन्ने की कुल कीमत के इस प्रमाण से अधिक है, जब कि कुल कीमत ..... रुपये है;

केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) के प्रयोजनों के लिए उक्त चीनी उपक्रम का प्रभावी रूप से कार्य करते रहना आवश्यक है;

अतः, अब, उक्त अध्यादेश की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ..... चीनी उपक्रम के "स्वामी" या प्रबन्धक को सूचना जारी करती है और उससे यह अपेक्षा करती है कि वह इस सूचना की प्राप्ति की तारीख से ..... के भीतर उन परिस्थितियों के बारे में लिखित रिपोर्ट दे जिनमें

- @ (क) उक्त चीनी उपक्रम उक्त तारीख को या उससे पूर्व चीनी का विनिर्माण प्रारम्भ करने में असफल रहा है,
- @ (ख) उक्त चीनी उपक्रम ने उस उपक्रम के संबंध में चीनी के विनिर्माण की औसत अवधि के प्रवसान के पूर्व चीनी का विनिर्माण बंद कर दिया है;
- @ (ग) उक्त चीनी उपक्रम गन्ने की उक्त देय रकम की बकाया चुकता करने में असफल रहा है, और यह कारण बताए कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त अध्यादेश के अधीन क्यों न अपने हाथों में ले लिया जाए।

स्पष्टीकरण—इस सूचना के प्रयोजनों के लिए—

- (1) "चीनी के विनिर्माण की औसत अवधि" पद का अर्थ उक्त अध्यादेश की धारा 3 की उपधारा (6) के खण्ड (ग) के उपबंधों के अनुसार लगाया जाएगा;
- (2) "गन्ने की देय रकम की बकाया" पद का अर्थ उक्त अध्यादेश की धारा 3 की उपधारा (6) के खण्ड (क) और (ख) के उपबंधों के अनुसार लगाया जाएगा।

टिप्पण — रिपोर्ट की एक प्रति उसी समय उस राज्य के गन्ना आयुक्त को, जिस राज्य में चीनी उपक्रम स्थित है, सौंपा जायेगा यदि कोई गन्ना आयुक्त नहीं है तो, उस राज्य के चीनी निरीक्षक को रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजी जानी चाहिए और एक अन्य प्रति उसी राज्य की सरकार के ऐसे सचिव को, जो प्रशासनिक रूप से इस से संबंधित है, रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजी जानी चाहिए।

(मुद्रा)

सेवा में,

(को प्रतियों में)

† जो लागू नहीं होता हो उसे काट दीजिए।

\* जो लागू नहीं होता हो उसे काट दीजिए।

@ जो लागू नहीं होता हो उसे काट दीजिए।

[सं० 6-5/78 चीनी डेस्क 1]  
सी० एन० राघवन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 13th November, 1978

G.S.R. 552 (E).—In exercise of the powers conferred by section 20 read with sub-section (1) of section 3, of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title.—These rules may be called the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Rules, 1978.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Ordinance" means the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978;

(b) "section" means a section of the Ordinance.

3. Form of notice and manner of its service.—(1) The notice to be issued by the Central Government under sub-section (1) of section 3 to the owner or the manager of a sugar undertaking shall be in the Form appended to these rules.

(2) The notice shall be caused to be delivered in duplicate, to such owner or manager either by registered post or in person or by leaving it at the registered office or the principal place of business of the sugar undertaking.

(3) Such owner or manager shall, within the time specified in the notice issued to him under sub-section (1) of section 3, send his report to the Central Government by registered post or in person and in addition send simultaneously by registered post one copy of such report to the Cane Commissioner of the State in which the sugar undertaking is situate or, if there is no Cane Commissioner, to the Director of Sugar in that State and another copy to the Secretary to the Government of that State administratively concerned with sugarcane.

### THE FORM

(See Rule 3)

NOTICE UNDER SUB-SECTION (1) OF SECTION 3 OF THE SUGAR UNDERTAKINGS (TAKING OVER OF MANAGEMENT) ORDINANCE, 1978 (5 OF 1978) GOVT. OF INDIA, NO.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION  
(Department of Food)

....New Delhi,

Whereas the Central Government is satisfied that the—

(name of sugar undertakings)

has in the sugar year—failed to commence the manufacture of sugar on or before—  
(the appointed day in respect of the said sugar year, \*having started the manufacture of sugar on or before— during the sugar year—has ceased to manufacture sugar before the expiry of the average period of manufacture of sugar in relation to that undertaking, namely,—

\*as on—

has, in relation to the cane purchased before that date for the purposes of the said undertaking, arrears of cane dues to the extent of more than ten per cent of the total price of the cane purchased by it during the immediately preceding sugar year, the total price being rupees—;

And whereas the Central Government is satisfied that the effective functioning of the said sugar undertaking is necessary for the purposes of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the said Ordinance, the Central Government hereby issues a notice to the owner or the manager of the—, sugar undertaking calling upon him to report in writing within— days from the date of receipt of this notice the circumstances under which—

(a) the said sugar undertakings has failed to commence the manufacture of sugar on or before the said date,

- Ⓐ (b) the said sugar under taking has ceased to manufacture sugar before the expiry of the average period of manufacture of sugar in relation to that undertaking, or
- @ (c) the said sugar undertaking has failed to clear the said arrears of cane dues, and to show cause as to why the management of the said sugar undertaking should not be taken over by the Central Government under the said Ordinance.

Explanation :—For the purposes of this notice —

- (i) the expression "average period of manufacture of sugar" shall be construed in accordance with the provision of clause (c) of sub-section (6) of section 3 of the said Ordinance ;
- (ii) the expression "arrears of cane dues" shall be construed in accordance with the provisions of clauses (a) and (b) of sub-section (6) of section 3 of the said Ordinance.

Note.—A copy of the report should also be sent simultaneously by registered post to the Cane Commissioner of the State in which the sugar undertaking is situate or, if there is no Cane Commissioner, to the Director of Sugar in that State and another copy by registered post to the Secretary to the Government of that State administratively concerned with sugarcane.

(SEAL)

To

(in duplicate):

\*Strike out whichever is not applicable.

†Strike out whichever is not applicable.

@Strike out whichever is not applicable.

[No. 6-5/78-Sugar Desk I]  
C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy.

